जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 12 दिसंबर 2019

ईरानी फ़ोटोग्राफ़र-फ़िल्मकारा अज़ादह अख़लग़ी की जामिया में प्रदर्शनी

दुनिया की जानी मानी ईरानी कलाकार अज़ादह अख़लग़ी के कार्यों की चार दिवसीय प्रदर्शनी जामिया मिल्लिया इस्लामिया की एम एफ हूसैन आर्ट गैलरी में लगी है। इसे जामिया के एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर (एजेकेएमसीआरसी)े ने सीआरईए के सहयोग से आयोजित किया है।

विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में 11 दिसंबर से शुरू हुई 'रि विज़िटेशन' नामक यह प्रदर्शनी 14 दिसंबर, 2019 तक जारी रहेगी।

मशहूर फोटोग्राफर और फिल्मकार, अख़लग़ी ने कंस्पचुएल और स्टेज फोटोग्राफी के ज़रिए 'मी, एज़ द अदर प्रीफर्स 'नामक एक विशाल टैब्लो बनाया है जिसे भारत में पहली बार प्रदर्शित किया गया है। 'मी, एज़ अदर प्रीफर्स ' के अलावा वह अपने दूसरे सबसे मशहूर काम 'बाय द आईविट्नेस' के साथ जामिया आई हैं।

'मी, ऐज अदर प्रीफर्स' सैल्फ प्रोट्रेट है, जो इस बात को दर्शाता है महिलाओं से अक्सर दूसरों की अपेक्षाओं के अनुरूप होने की उम्मीद की जाती है।

'बाय द आईवेटनेस 'में ईरानी इतिहास के उन लम्हों को दिखाया गया है जिनकी कभी तस्वीर नहीं ली गई।

जानी मानी थ्येटर डायरेक्टर, अमल अलाना की मौजूदगी में 13 दिसंबर को शाम चार बजे एम एफ हूसैन गैलरी में अज़ादह अख़लग़ी का औपचारिक रूप से स्वागत किया जाएगा इसके बाद अख़लगी और शो की क्यूरेटर प्रो सबीना गडियाहोक के बीच एक बातचीत होगी। प्रो सबीना एजेके एमसीआरसी की अध्यापिका हैं। इस आयोजन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नजमा अख्तर करेंगी।

बड़ी तादाद में छात्र यह प्रदर्शनी देखने एम एफ हुसैन आर्ट गैलरी आ रहे हैं।

यह प्रदर्शनी 14 दिसंबर तक दोपहर 2ः30 बजे से देखी जा सकेगी। इच्छुक लोग इसके लिए एम एफ हुसैन आर्ट गैलरी में पंजीकरण करा सकते हैं। संवाद सहित सभी कार्यक्रम आम लोगों के लिए खुले हैं। अज़ादह अख़लग़ी को 2019 में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी पीबाॅडी म्यूज़ियम आॅफ आर्केलाॅजी एंड एथनोलाॅजी द्वारा रॉबर्ट गार्डनर फेलो इन फ़ोटोग्राफ़ी से सम्मानित किया गया। वह 2016 में सॉवरेन आड्र्स प्राइज फाइनलिस्ट हुई और 2009 में यूएन-हैबिटेट फोटोग्राफी प्रतियोगिता, लंदन से पुरस्कृत हुई। उनके कामों को कन्टेम्परेरी म्यूज़ियम आर्ट, तेहरान, कन्टेम्परेरी फोटोग्राफी म्यूज़ियम, शिकागो, लंदन में समरसेट स्कूल ऑफ आर्ट, पेरिस फोटो, फोटो लंदन और उलरिच म्यूज़ियम, विचिटा, कंसास में प्रदर्शित किया गया। शंघाई और सियोल में भी उनकी प्रदर्शनियां लगीं।

सीआईए ने एजेकेएमसीआरसी के साथ मिलकर लिंग समानता और अधिकारों के मुद्दों पर प्रदर्शनी लगाने के आयोजनों में भी सहयोग किया है। अप्रैल 2019 में, सीआरईए ने काठमांडू में भी अज़ादह अख़लग़ी प्रदर्शनी लगाने में सहयोग किया, जिसकी क्यूरेटर सबीना गडियाहोक थीं।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक